जिनमें एम्पोरियम व भंडार खोलना भी शामिल हैं ।

(४) नीचे लिखे कार्यों के लिये वित्तीय और शैल्पिक सहायता देना ।

(क) अम्बर चर्खों का निर्माण,

(ख) कातने वालों को परिश्रमालयों में प्रशिक्षण देना तथा उनको और उनके परिवारों को आसान शर्तों पर चर्खे देना ।

(ग) कातनेवालों को रूई देना और उनके द्वारा काते जाने वाले सूत की किस्म अच्छी रखने के लिये देख रेख करना ।

(घ) नये बुनकरों को अम्बर सूत से बुनाई करने के मौजूदा और सुधरे हुये तरीके सिखाना ।

(ङ) संगठन तथा उत्पादन सम्बन्धी कार्यों के लिये जरूरी प्राविधिक व्यक्तियों को प्रशिक्षण देना ।

उत्पादकता आन्दोलन

६२८ **श्री रा० रा० मिश्र** : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय उत्पादकता प्रतिनिधिमंडल ने जापान में कितने कारखानों को देखा ;

(ख) जापान में प्राप्त अनुभव के आधार पर भारत के कारखानों के उत्पादन को बढ़ाने के लिये क्या उपाय किये जा रहे हैं ; और

(ग) क्या इस सम्बन्ध में कोई विदेशी विशेषज्ञ बुलाये गये हैं अथवा बुलाने का विचार है ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : (क) ३५ ।

(ख) भारतीय उत्पादकता प्रतिनिधिमण्डल ने राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् स्थापित करने की सिफारिश की है जिसमें सरकार, कारखानेदारों, मजदूरों, कारीगरों, गवेषणाकर्मियों, विद्वानों, सलाहकारों, उपभोक्ताओं तथा छोटे उद्योगों के प्रतिनिधि होंगे । यह परिषद् देश में उत्पादकता चेतना उत्पन्न करेगी । औद्योगिक केन्द्रों में स्थानीय उत्पादकता परिषदों की स्थापना को प्रोत्साहन और उनके जरिये उत्पादकता सेवायें उपलब्ध करेगी । इन सिफारिशों पर नई दिल्ली में पहली और दूसरी नवम्बर को हुई उत्पादकता गोष्ठी में विचार किया जा चुका है । इस गोष्ठी में राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् के संविधान और कार्यक्रम के विवरणों पर विचार किया गया तथा इस बारे में सरकार से सिफारिशें की गईं । ये सिफारिशें इस समय सरकार के विचाराधीन हैं ।

(ग) उत्पादकता के सम्बन्ध में सलाह देने के लिये अभी तक एक विदेशी विशेषज्ञ बुलाया गया है । राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद् के कार्यक्रम में और अधिक विदेशी उत्पादकता विशेषज्ञ बुलाने का प्रस्ताव है ।

बिनौले के तेल का उद्योग

६२९. **श्री रा० रा० मिश्र** : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि बिनौले के तेल के उद्योग को आधुनिक पैमाने पर लाने के लिये क्या कोशिशें की जा रही हैं ?

वाणिज्य मंत्री (श्री कानूनगो) : बिनौले के तेल की जिन मिलों के पास रेशे और छिलके साफ करने की मशीनें नहीं हैं